

रिजर्व बैंक को भरोसे में न लिए जाने पर सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 24 नवंबर।

विमुद्रीकरण के मामले में रिजर्व बैंक को सरकार ने भरोसे में नहीं लिया था। ऐसा कर सरकार ने आरबीआई एक्ट, 193 की धारा 26 (2) का उल्लंघन किया है। यह दावा करते हुए सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है। याचिकाकर्ता और अधिवक्ता आदिल अल्वी ने अपनी याचिका में कहा है कि देश की मौद्रिक नीति पर खराब असर पड़ा है। यह नीति तय करने का अधिकार सुप्रीम कोर्ट के पास है। सरकार ने

● माकपा ने सुप्रीम कोर्ट से की पांच सौ के नोट चलाए जाने की अपील

जो घोषणाएं कीं, उनका सुझाव रिजर्व बैंक ने नहीं दिया था। दूसरी ओर, बामपंथी पार्टी माकपा ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दाखिल कर अपील की कि पांच सौ के नोटों पर से पाबंदी हटाने का निर्देश सरकार को दिया जाए। माकपा ने कहा कि लोगों को यह छूट 30 दिसंबर या तब तक दी जाए, जब तक नए करेंसी नोट पर्याप्त उपलब्ध न हो जाएं। यह याचिका माकपा के महासचिव सीताराम येचुरी ने दाखिल

की है। सरकार से करेंसी उपलब्ध कराने की चरणबद्ध योजना की जानकारी देने की भी मांग की गई है। माकपा ने अपनी याचिका में कहा है कि आठ नवंबर को प्रधानमंत्री की घोषणा के बाद से जो अफरा-तफरी फैली है, उससे स्पष्ट है कि सरकार की कोई तैयारी नहीं थी। उस दिन के बाद से एक के बाद एक नए नोटिफिकेशन और सर्कुलर जारी किए जा रहे हैं। परीक्षण और पूल के आधार पर ऐसा किया जा रहा है। लोगों की जिंदगियों से खेला जा रहा है। विमुद्रीकरण के चलते नकदी और भुगतान का संकट खड़ा हो गया है।

कैदी हत्या मामले में रायपुर केंद्रीय जेल के अधीक्षक निलंबित

रायपुर, 24 नवंबर (भाषा)।

रायपुर के केंद्रीय जेल में अनुशासन और नियंत्रण नहीं बनाए रख पाने की वजह से राज्य शासन ने जेल अधीक्षक को निलंबित कर दिया है। जेल में सोमवार को एक कैदी ने अन्य कैदी की हत्या कर दी थी।

जेल विभाग के महानिदेशक गिरधारी नायक ने

गुरुवार को बताया कि जेल के भीतर आपत्तिजनक और प्रतिबंधित सामग्रियां पाए गए और जेल का अनुशासन और नियंत्रण नहीं बनाए रख पाने के कारण केंद्रीय जेल के अधीक्षक राजेंद्र गायकवाड़ को निलंबित कर दिया गया है। नायक ने बताया कि गुरुवार को जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के संयुक्त दल ने केंद्रीय जेल का आकरिष्मिक निरीक्षण किया था।

पति का विवाहेतर संबंध हमेशा कूरता नहीं होगा : कोर्ट

नई दिल्ली, 24 नवंबर (भाषा)।

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि किसी व्यक्ति के विवाहेतर संबंध और उसकी पत्नी का संदेह हमेशा ऐसी मानसिक कूरता नहीं होती जिसे आत्महत्या के लिए उकसाने का प्रावधान माना जाए लेकिन यह तलाक का आधार हो सकता है। ये टिप्पणियां उस मामले में की गई थीं जिसमें एक महिला ने अपने पति के कथित विवाहेतर संबंधों की वजह से आत्महत्या की थी और दूसरी महिला ने अपमान की वजह से अपनी जान दी। यह विपत्ति यहीं समाप्त नहीं हुई। बाद में व्यक्ति की कथित प्रेमिका की मां और भाई ने भी आत्महत्या

कर लीं। शीर्ष अदालत उस व्यक्ति द्वारा अपनी दोषसिद्धि और चार साल के कारावास की सजा के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई कर रही थी। उस व्यक्ति को अपनी पत्नी के उत्पीड़न और मानसिक कूरता के लिए दोषी ठहराया गया था। इसकी वजह से उसकी पत्नी ने आत्महत्या की।

छात्रा गर्भवती हुई, साहपाठी पर बलात्कार का मामला दर्ज

मुंबई, 24 नवंबर (भाषा)।

बताने की धमकी देकर लड़की के साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। पुलिस ने बताया कि छात्रा ने अपनी मां से स्वास्थ्य संबंधी शिकायत की, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने बताया कि छात्रा 13 हफ्ते की गर्भवती है।

चिकित्सा-पिता और डॉक्टर ने पुलिस से संपर्क किया, जिसके बाद लड़की का बयान दर्ज किया गया। उसकी शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। जुहु थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (महिला की शीलभंग के इरादे से उस पर हमला या जबरदस्ती), 376 (बलात्कार) और 506 (आपराधिक धमकी) में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

हैदराबाद में बाल सुधार गृह से भागे 12 नाबालिग

हैदराबाद, 24 नवंबर (भाषा)।

यहां के नगोला के एक बाल सुधार गृह से 12 किशोर फरार हो गए। फरार होने से पहले किशोरों ने एक सुरक्षाकर्मी को धक्का दिया और उसे घायल कर दिया। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि यह घटना बुधवार मध्यरात्रि के करीब उस समय हुई जब 15 से 17 साल के बीच के किशोरों ने बाल सुधार गृह के मुख्य द्वार की गिल को तोड़ दिया। यह सुधार गृह एक गैर सरकारी संगठन द्वारा संचालित किया जाता है।

एलबी नगर थाना के इंस्पेक्टर पी कासी रेड्डी ने बताया कि जब सुरक्षाकर्मी ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो उसे धक्का देकर किशोर फरार हो गए। रेड्डी ने बताया, 'घटना के दौरान बुजुर्ग सुरक्षाकर्मी को मामूली चोटें आईं'



**सीएसआईआर प्लैटिनम जुबली
टेक्नोफेस्ट - 2016**

14 - 27 नवम्बर, 2016

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
एवं अध्यक्ष, सीएसआईआर




**आइए और भारत द्वारा
विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में किए गए
अनुसन्धानों का जायज़ा लीजिए**

आज का विषय

जेनरिक तथा स्वास्थ्य की देखभाल

स्थान : भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ)
हॉल नं. 12A, प्रगति मैदान, नई दिल्ली

डॉ. हर्ष वर्धन
केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री तथा उपाध्यक्ष, सीएसआईआर

वाई. एस. चौधरी
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री, भारत सरकार

गतिशील नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में, सीएसआईआर जन-सामान्य के लाभार्थ प्रतिबद्ध है

सीएसआईआर के 75 वर्ष

अपूर्ण आवश्यकताओं के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अंतरिक्ष ...
जन-जीवन का रूपान्तरण ...
और एक विशेष बदलाव ...

India.CSIR CSIR_IND YouTube CSIR India

25 नवम्बर के कार्यक्रमों की सूची

समय	कार्यक्रम	विवरण
1030 बजे	डॉ. राम विश्वकर्मा, निदेशक, सीएसआईआर-आईआईटीएम द्वारा स्वागत सम्बोधन और ओवरव्यू ऑफ दी थीम एरियाज़ : जेनेरिक्स एण्ड हेल्थकेयर	1220 बजे
1040 बजे	डॉ. एस. चन्द्रशेखर, निदेशक, सीएसआईआर-आईआईसीटी बाइ थीम कोऑर्डिनेटर, जेनेरिक्स एण्ड हेल्थकेयर द्वारा रिमाक्स	1230 बजे
1045 बजे	डॉ. समित चट्टोपाध्याय, निदेशक, सीएसआईआर-आईआईसीटी द्वारा हेल्थकेयर रिसर्च इन सीएसआईआर-एनईआईएसटी, जोरहाट	1245 बजे
1055 बजे	डॉ. डी. रामैया, निदेशक, सीएसआईआर-एनईआईएसटी द्वारा हेल्थकेयर रिसर्च इन सीएसआईआर-एनईआईएसटी, जोरहाट	1255 बजे
1100 बजे	श्री डी. आर. राव, सिपला फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड द्वारा टिप्पणियाँ	1310 बजे
1105 बजे	डॉ. अन्ताफ लाल, सन फार्मा द्वारा टिप्पणियाँ	1320 बजे
1110 बजे	डॉ. वीपी काम्बोज, पूर्व निदेशक, सीएसआईआर-सीडीआरआई, मुख्य अतिथि द्वारा सम्बोधन (नान एस्टेरायडल गर्भ निरोधक, सेंटक्रोमान की सफलता की कहानी)	1330 बजे
विषयों पर भाषण		
1140 बजे	डॉ. एस. चन्द्रशेखर, निदेशक, सीएसआईआर-आईआईसीटी द्वारा सीएसआईआर जर्नी इन जेनेरिक्स फ्रॉम एरियरिन् टु एयुलिन्	1340 बजे
1155 बजे	डॉ. पीवी श्रीनिवास, सिपला फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड द्वारा जेनेरिक्स - इंडियन सीनरियो	1350 बजे
1205 बजे	डॉ. नेबेद्य चट्टोपाध्याय, चीफ साइंटिस्ट, सीएसआईआर-सीडीआरआई द्वारा हेल्थकेयर रिसर्च इन सीएसआईआर : एन ओवरव्यू	

सीएसआईआर

एससीआईएमएजीओ संस्थानों की रैंकिंग के अनुसार दुनिया भर के सरकारी संस्थानों में 12वीं एकाग्र भारतीय संगठन जिसे सत्रोच्च 100 वैश्विक संस्थानों में स्थान मिला है